नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिएस, बिबिएस र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक ०२ वि.सं. २०८२ सावन ०२ गते शुक थारु सम्वत (२६४८) [Friday 18 Juny 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

२५औं कमैया मुक्ती दिवस

२३७५ जानेक पुनर्स्थापना कहिया ?

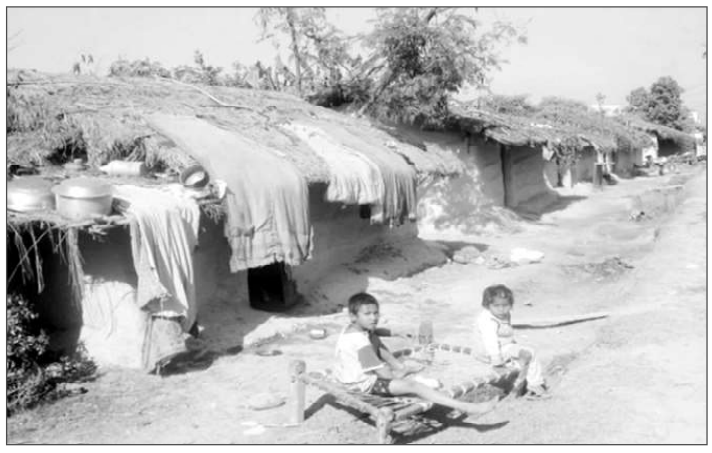

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ सावन । दासताके जन्जीरसे मुक्त हुइल मुक्तकमैयाहुकनके २५ बरस पुगल बा । यी बेला मुक्तकमैयाहुक्के रहरंगी कैके २५औं मुक्ती दिवस मनैना बेला २ हजार ३ सय ७५ मुक्तकमैयाके जिन्गीमे अभिन खुशी नैआइसेकल हो ।

मुक्त कमैया रहल जिल्लामे अभिन २ हजार ३ सय ७५ जाने अभिन पुनर्स्थापनाके असरामे बैठल बटै । मुक्त कमैया समाजके तथ्याङक अनुसार कञ्चनपुरसे दाङ जिल्लामे ओटरा मुक्त कमैया अभिन पुनर्स्थापनाके असरामे बैठल हुइट । २०५७ साल सावन २ गते कमैया मुक्ती घोषणा करल रहे । जौन अब्बे २५ बरस विटल मने सुदूरपश्चिम प्रदेश अभिनसम अभिनसम १ हजार ८२ जाने मुक्तकमैयाहुक्के परिचय पाके पुनर्स्थापनासे बञ्चित रहल मुक्तकमैया समाज जनैले बा ।

समाजके केन्द्रीय अध्यक्ष पशुपति चौधरीके अनुसार कैलाली जिल्लामे ९ हजार ७६२ मुक्तकमैया रहलमे ८ हजार ९७५ जनहनहे परिचयपत्र देहलमे मने जग्गा पाइल मुक्तकमैयाभर ८ हजार २२ जाने केल रहल बटै । ओस्टेक कञ्चनपुरमे ४ हजार ५०६ जाने मुक्तकमैया रहलमे ४ हजार ४१८ जनहनहे परिचयपत्र डेहल बा, ओम्नेसे जग्गा पाइल मुक्तकमैया ४ हजार २८९ केल रहल बटै । चार सय मुक्तकमैयाहे आकाशे कित्ता, १७३ जनहनके मुक्तकमैयाके तथ्याङकसे हटाइल बटै । कलेसे कैलालीमे ९५३ ओ कञ्चनपुरमे १२९ जाने, दाङमे ४८ जाने पुर्स्थापना बाँकी बटै । बर्दियामे सबसे ढेर १२ सय ४५ जाने मुक्तकमैया पुनर्स्थापनासे वञ्चित केन्द्रीय अध्यक्ष बटैलै ।

मुक्तकमैया अभियन्ता बल्लु चौधरी पुनर्स्थापनाके नाउँमे जग्गा नैरहल ठाउँक लालपुर्जा, व्यक्तिके नम्बरी जग्गाके लालपुर्जा, लडिया, खोला रहल ठाउँमे टमान मुक्तकमैयाहुकन जग्गा डेगिल बटैलै ।

कैलाली, कञ्चनपुर, बर्दिया, बाँके ओ दाङ करके पाँच जिल्लामे कुल ३२ हजार ५ सय ९ जाने मुक्तकमैयाके तथ्याङक संकलन करल रहे । जेम्ने जग्गा पाई पर्ना संख्या २७ हजार ५ सय ७० कहलमे जग्गा पाइल संख्या २५ हजार १ सय ९५ केल्ह रहल उहाँ जनैलै ।

ओसिन समस्या सट्टा भर्ना कैना संख्या ६ सय ६१ रहल बा । परिचय बदर हुइल संख्या १७३, जग्गा नइपाइल ४६३, परिचयपत्रसे वञ्चित १ हजार ७८ जाने करके कुल २ हजार ३ सय ७५ जाने पुनर्स्थापना हुइना बाँकी बटै ।

ओस्टेक करके पाँच जिल्लामे मुक्तकमलरीके संख्या १२ हजार ७६९ जाने रहलमे ४ हजार ९३४ जाने परिचयपत्र पैले बटै कलेसे अभिनसम ७ हजार ८ सय ३५ जाने परिचयपत्र पैनासे बञ्चित रहल बटै । छुट मुक्तकमलरी ३ हजार २९६ ओ अध्ययनरत रहल १२ सय ७४ जाने रहल बटै ।

मुक्त कमैया तथा कमलरीहुकनके माग

नेपाल सरकार ओ कम्लहरी प्रथा उन्मुलनके लाग संयुक्त सघर्ष समिति बीच हुइल १० बुंदे सम्झौता कार्यान्वयन करेपर्ना, नेपाल सरकारसे तयार करल मुक्त कम्लहरीके लाग शिक्षा निर्देशिका, २०६८ समयानुकुल परिमार्जन करके तत्काल कार्यान्वयन करेपर्ना, मुक्त कमलहरीके लाग वितरण कैना छात्रवृतिमे समयानुकुल परिमार्जन करके कार्यान्वयनके व्यवस्था करेपर्ना माग करल बा ।

मुक्त कमैया ओ कम्लहरीके एकिन तथ्यांक संकलन करके *(बाँकी ३ पेजमे)*

बेहडाबाबाहे धार्मिक पर्यटन क्षेत्रके रुपमे विकास जरुरी: मुख्यमन्त्री शाह

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाहसे बेहडाबाबा मन्दिरहे धार्मिक पर्यटन क्षेत्रके रुपमे विकास करेपर्ना बटैलै ।

बेहडाबाबा मन्दिर व्यवस्थापन समिति धनगढी उपमहानगरपालिका-१६ रामपुर कैलालीसे विफेक रोज बेहडाबाबा श्रावण मेला एकमास शिव महापुराण धार्मिक मेला महा-महोत्सव २०८२ ऐतिहासिक पश्चिमके ऐतिहासिक श्रावण मेलाके उद्घाटन करटी उहाँ उ बाट बटैलै ।

उहाँ बेहडाबाबा मन्दिरहे राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय धार्मिक क्षेत्रके रुपमे चिन्हाइक लाग सक्कु जाने लागे पर्नामे जोड डेलै । धनगढी बेहडाबाबा मन्दिरहे जोरना शिवगंगा लडियामे पुल निर्माणके ढिलाइ कारण खोजी कैना ओ निर्माण कम्पनीहे बोलाके उहीहे आघे बह्दैना आर्थिक मामिला राज्यमन्त्री प्रकाश बमहे निर्देशन डेलै ।

साथे उहाँ पररार्ष्ट्र मन्त्री डा. आरजु राणा देउवाके पहलमे प्रदेश सरकारसे करिब १३ करोड यी क्षेत्रके विकासके लाग विनियोजित करल बटैलै ।

छाउगोठ हटैना कानुन कार्यान्वयनमे कमजोर

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ सावन । कञ्चनपुरके कृष्णपुरमे छाउपडी गोठमे सँप्वा काटके कमला आउजीके मृत्यु हुइल घटनापछि सरोकारवालाहुक्के चेतनामूलक अभियानहे तीव्र बनैना ओ कानुनी प्रावधानके कडाईके साथ कार्यान्वयन कैना जोड डेले बटै ।

सामाजिक विकास समितिके स्थलगत अनुगमनपाछे स्थानीय बासिन्दा, जनप्रतिनिधि ओ अधिकारकर्मी परम्परागत अभ्यास अन्त्य कैना व्यवहारिक उपाय आघे सर्ना आग्रह करल हुइट ।

खास कैके छाउपडी गोठ भट्कैना सरकारी प्रयाससे जनस्तरमे समर्थन नैपाके प्रभावकारी नैहुइल डेखल बा । कञ्चनपुरके प्रहरी प्रमुख तथा प्रहरी उपरीक्षक खड्कबहादुर खत्रीके अनुसार, स्थानीयके सहयोग विना गोठ भट्कैना कर्रा हुइल बटैलै ।

कञ्चनपुरके प्रमुख जिल्ला अधिकारी लक्ष्मण ढकाल सरकारसे छाउपडी गोठ बनैना ओ ओम्ने बैठ्नाहे कानुनी रुपमे दण्डनीय मानल रलेसे फेन व्यवहारिक रुपमे कार्यान्वयन पक्ष कमजोर रहल ओरसे ओइसीन घटना हुइल बटैलै ।

कृष्णपुर नगरपालिकाके नगर प्रमुख हेमराज ओझा नगरपालिका भर दर्ता हुइल १६ हजार घरधुरी रहल ओ दर्ता हुइना बाँकी समेत कैके २० हजार घरधुरी अनुमान रहल बटैटी उ मध्ये २०० से २५० घरमे किल छाउपडी गोठ रहल अनुमान करल रहिट ।

नगर प्रमुख ओझा चेतनाके कारण छाउगोठमे नैबैठे परठ् *(बाँकी ४ पेजमे)*

स्तनपान गराऔं, बालस्वास्थ्यमा सुधार गरौं ।

- शिशु जन्मिएपछि जतिसक्दो चाँडो (१ घण्टाभित्र) आमाको (विगौती) दुध खुवाऔं,
- जन्मेदेखि ६ महिना पुरा नभएसम्म आमाको दुधमात्र खुवाऔं,
- ६ महिना पुरा भएपछि उमेर अनुसार पूरक खानाका साथै कम्तिमा २ वर्ष सम्म निरन्तर स्तनपान गराऔं,
- आमाको दुध शिशुको लागि अमृत समान हो र यसले शिशुको रोगसँग लड्न सक्ने क्षमतालाई बढाउँछ,
- स्तनपानले महिलाहरुमा स्तन क्यान्सर र पाठेघरको क्यान्सर हुने जोखिमलाई कम गर्दछ,
- चिकित्सकको सल्लाह बिना शिशुलाई आमाको दुध बाहेक अन्य कुनै किसिमको दुध नखुवाऔं,
- सकेसम्म दुधदानी वा बोतलको दुध प्रयोग नगरौं,
- स्तनपान सम्बन्धी उचित परामर्श तथा थप जानकारीका लागि नजिकैको स्वास्थ्य संस्था वा महिला सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेविकालाई सम्पर्क गरौं ।

विश्व स्तनपान सप्ताह सफल पारौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
कानूनी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

सुदूरपश्चिममे ९३ प्रतिशत धान लगागिल

डडेल्धुरा, १ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेशमे हालसम ९३ प्रतिशत धान लगागिल बा । नौ जिल्ला रहल यी प्रदेशमे एक लाख ६३ हजार ९९३ हेक्टर क्षेत्रफलमे धान लगागिल हो ।

कृषि विकास निर्देशनालय दिपायल डोटीके सूचना अधिकारी केशव पाण्डेयसे डेहल जानकारी अनुसार सुदूरपश्चिम प्रदेशमे कुल खेतीयोग्य जमिन तीन लाख ५९ हजार ९११ हेक्टर क्षेत्रफल रहल बा ।

उहाँके अनुसार हालसम सबसे ढेर धान लगाइल कैलाली जिल्लामे रहल बा । कैलालीके धान लगैना क्षेत्रफल ६७ हजार ४२ हेक्टर क्षेत्र हो । यी मध्ये हालसम ६६ हजार ८७ हेक्टर क्षेत्रफल (९८ प्रतिशत) मे धान लगागिल बा ।

कैलालीपाछे हालसम ढेर धान लगाजिना मध्यपहाडी जिल्ला डडेलधुरा हो । यी जिल्लामे ९५ प्रतिशत धान लगागिल बा । डडेल्धुरामे छ हजार १२० हेक्टर क्षेत्रफलमे धान लगाजाइठ् । हालसम पाँच हजार ८१४ हेक्टर क्षेत्रफलमे धान लगागिल बा ।

क्षेत्रफलके हिसाबसे कैलालीपाछे सबसे ढेर धान लगाजिना जिल्ला कञ्चनपुरमे ४८ हजार ४९६ हेक्टर क्षेत्रफलमे धान लगाजाइठ् । हालसम ४५ हजार १०१ हेक्टर क्षेत्रफल (९३ प्रतिशत) मे धान लगाइल बा ।

तराईके दुई जिल्लाबाहेक सात पहाडी ओ हिमाली जिल्लामध्ये क्षेत्रफलके हिसाबमे सबसे ढेर धान लगाजिना जिल्ला अछाम हो । अछाममे १६ हजार ५९० हेक्टर क्षेत्रफलमे धान लगाजाइठ् । हालसम १३ हजार ७७० हेक्टर क्षेत्रफलमे धान लगैटी ८३ प्रतिशत धान लगाके सेकल बा ।

ओस्टके बझाङ जिल्लामे १० हजार तीन सय हेक्टर क्षेत्रफलमे धान लगाजिनामे हालसम नौ हजार ६८२ हेक्टर क्षेत्रफल (९४ प्रतिशत) धान लगागिल बा । बैतडी जिल्लामे कुल नौ हजार हेक्टर क्षेत्रफलमे धान लगैनामे हालसम आठ हजार ४६० हेक्टर क्षेत्रफल (९४ प्रतिशत) मे धान लगाइल बा ।

ओस्टके दार्चुलामे चार हजार ४८० हेक्टर क्षेत्रफलमे धान लगाजाइठ् । यी जिल्लामे हालसम चार हजार १२५ हेक्टर क्षेत्रफल (९२ प्रतिशत) मे धान लगाके हालसम सबसे कम डोटीमे धान लगाइल बा । डोटी जिल्लामे कुल छ हजार ४२६ हेक्टर क्षेत्रफलमे धान लगाजिनामे हालसम चार हजार ८२० हेक्टर क्षेत्रफल (७५ प्रतिशत) मे किल धान लगागिल बा ।

ओस्टके बाजुरामे ८४ प्रतिशत धान लगागिल बा । सात हजार ३०३ हेक्टरमे धान लगैटी आइलमे अब्बेसम छ हजार १३१ हेक्टर क्षेत्रफलमे धान लगाइल बा ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

कमैयामुक्ति: विगतके संघर्ष, वर्तमानके चुनौती ओ भविष्यके स्पष्ट योजना

चन्द्रप्रकाश चौधरी
मुक्तकमैया अभियान्ता

कमैया प्रणाली नेपालके सुदूरपश्चिम ओ लुम्बिनी प्रदेश तराईके पाँच जिल्ला–दाङ, बाँके, बर्दिया, कैलाली ओ कञ्चनपुरमे थारुसमुदायसंग गहिर रूपमे गाँसल ऋणमे आधारित बन्धुवा श्रम प्रणाली हो । नेपालके इतिहासमे श्रमशोषणके सबसे अमानवीय रूप मध्ये एक रहे ।

कमैया प्रणाली थारु समुदायके हजारौँ परिवारहे पुस्तौँसम ऋणके नाममे बन्धुवा श्रममे बाँधके शोषण करल रहे । वर्ष २००० (२०५७ साल साउन२गते) सरकारसे कमैया प्रथाहे गैरकानूनी घोषणा करटी कमैया मुक्तिके घोषणा करल, मने आज, एक चौथाई शताब्दीपाछेफे यी उन्मुक्तिपूर्ण सफल हुई नैसेकल हो । सरकारसे कमैया प्रणाली अन्त्य करल घोषणा करल । उ दिन नेपालके हजारौँ बन्धुवा श्रमिकसे मुक्तिके घोषणा सुनके ओ स्वतन्त्रताके सपना डेख्लै । मने, २५वर्षपाछे फे प्रश्न ओस्टे बा ।

का कमैया मुक्ति केवल कानूनी घोषणा केल हो ? मुक्तकमैयाहुक्रे जीवनस्तरमे वास्तविक स्वतन्त्रता चिख्लै ? ओ भूमिहीनता, रोजगारी अभाव, शिक्षाओ स्वास्थ्यमे पहुँच नैहुके मुक्तकमैयाहुत्रे, अभिनफे समग्र सेवा ओ पहुँचमे पाछे बटै । दैनिक प्रभाव पर्ना सामाजिक ओ आर्थिक रूपमे कमजोर अवस्थामे बटै ।

कमैया बैठे पर्ना बाध्यता

१. ऋण लेहेबेर ब्याज अत्यधिक रख्न ओ उ तिरे नैसेक्के परिवार पुस्तौँसम जमिनदारके ठेन श्रम करके ब्याज तिर्न बाध्य ।

२. श्रम अनुसारके पारिश्रमिक नाही, ठोरचे चाउर ओ नोन महिलाउप्पर दोहोरा शोषण (श्रम ओ यौनहिंसा)

३. शिक्षासे पूर्ण वञ्चित व्यवहारिक रूपमे मनैनहे दास बनैलै ।

विगतमे आन्दोलनके स्वरूप

आन्दोलन अहिंसात्मक मने विरोध प्रदर्शन, जागरणयात्रा, सडकर्याली, जग्गा कब्जा अभियान, तिनकुने कब्जा, चक्काजाम, महेन्द्र राजमार्गमे नमूना भरनिर्माणलगायत ज्ञापन पत्र बुझैना अभियान जैसिन स्वरूप आन्दोलन हुइल रहे । काठमाडौँसे जिल्ला केन्द्रसम एकीकृतआन्दोलन हुइल जेम्ने मजदुर, शिक्षक, पत्रकार ओ विद्यार्थीहुकनके समर्थन पागिल ।

विगतके उपलब्धी ओ योगदान

१. कानूनी मान्यता ओ दासत्व अन्त्य ।
२. कुछ परिवारहे बासके लाग ढेरमे ५ कट्ठासे ५ धुरसम लालपुर्जा ओ आवास ।
३. महिला सशक्तिकरण ओ ओ सहकारी विस्तार ।
४. कमैया आन्दोलनसे मानव अधिकारके इतिहासमे नयाँ मोड ल्यानल ।

विगतके उपलब्धी ओ योगदान:संघर्षसे प्राप्त प्रमुख उपलब्धी कमैया मुक्ति आन्दोलनसे नेपालके सामाजिक न्याय ओ मानवअधिकारके क्षेत्रमे ऐतिहासिक मोड ल्यानल बा । यी आन्दोलनसे प्राप्त उपलब्धी केवल कानूनी केल्ह नैहोके संरचनागत परिवर्तनके दृष्टिसेफे महत्वपूर्ण बा ।

१. कानूनी मान्यता ओ दासत्वअन्त्य

२०५७ साल साउन २ गते कमैया प्रथा गैरकानूनी घोषणा हुके तत्कालीन सरकारसे कमैया श्रम निषेध ऐन, २०५८ ल्यानल । यी कानूनले न केवल कमैया प्रथाहे समाप्त करल, बरु भविष्यमे कौनोफे रूपके बन्धुवा श्रमप्रणालीहे रोक्न कानूनी संरचना तयार करल । यिहीहे नेपालके मानव अधिकारके इतिहासमे महत्वपूर्ण माइलस्टोन मानजाइठ ।

२. कुछ परिवारहे लालपुर्जा ओ आवास

कमैया मुक्ति घोषणापाछे सरकारसे भूमिहीन कमैयापरिवारहे पुनर्वासके लाग जग्गा बाँटना निर्णय करल । करिब ८,०२२ परिवारहे लालपुर्जा ओ आवास उपलब्ध कराइल तथ्यांक बा । मने बाँकी परिवार अभिन भूमिहीन बटै । यी कदमसे टमान मुक्तकमैयाहे जग्गा स्वामित्वकेअनुभव डेहुवाइल ओइनहे स्वतन्त्र नागरिकके अधिकार प्राप्तीके अनुभव हुइल ।

३. महिला सशक्तिकरण ओ सहकारी विस्तार

आन्दोलनसे थारु महिलाहे चेतनाके प्रकाशममे ल्यानल । कमलहरी प्रथा विरुद्धके आन्दोलनसँगे महिलाहुके आर्थिक ओ सामाजिक रूपसे सशक्त बने लग्लै । महिला समूह, सहकारी ओ ओ सीप विकास तालिमसे महिलाहे आर्थिक पहुँच डेहुवाइल ओइने सामुदायिक नेतृत्वमे अग्रसर हुई लग्लै ।

४. थारू आन्दोलन ओ मानव अधिकारमे नयाा मोड

थारु समुदायसे सुरु हुइल यी आन्दोलन केवल स्थानीयके मुद्दा नैरहल, यी राष्ट्रिय बहसमे रूपान्तरण हुइल । यिहीसे नेपालमे श्रम अधिकार, दासत्व उन्मूलनओ सामाजिक समानता बारे चेतना फैलाइल । यि नीति निर्माणममे नागरिकके सक्रिय भूमिका डेखाइल ओ अन्य शोषितवर्गक आन्दोलनके लाग मार्गनिर्देशन प्रदान करल ।

५. मुक्तकमैयाके आन्दोलनके परिणाम पहाडमे रहल हलिया प्रथाफे अन्त्य हुइल बा । कारण हलिया संगठित हुके अधिकार मागके केल्ह मुक्तघोषणा कैना बाध्य ।

वर्तमान चुनौती कमैया प्रणाली समाप्त हुइल २५वर्ष बिटसेक्लेसेफे मुक्तकमैयाहुक्रे अभिन विविध चुनौतीके सामना करटी रहल बटै । यी चुनौतीसे ओइनके जीवनस्तर सुधारमे भारी बाधा पुगैटी रहल बा । प्रमुख चुनौती यी मेरके बटै ।

भूमिहीनता कायम

कमैया मुक्ति अभियानसे ढेर परिवारहे भूमिसहित पुनर्वास करैलेसेफे, अभिन हजारौँ परिवार भूमिहीन बटै । राष्ट्रिय तथ्याक्त अनुसार, २०२३ सम करिब ९५३ परिवार (विशेषत:कैलाली ओ कञ्चनपुरमे) पुनर्वासके पर्खाइमे बटै । भूमिहीनता हुके कृषि कार्य सम्भव नैहुई परिवार गहिर गरिबीमे थुनल बटै ।

२. जमिनके गुणस्तर खराब

सरकारसे बाँटल जग्गा प्राय: नदी किनार, जंगलके सिमाना, ओ प्रकोप प्रभावित क्षेत्रमे पर्ना ओरसे उर्वरतार उत्पादकता कम बा । यी कृषिमे आत्मनिर्भर बन्न कठिनाइ ल्यानी । साथे, यी क्षेत्रमे प्राय:बाढ, पहिरो, डढेलो जैसिन प्राकृतिक प्रकोप ढेर हुइल ओरसे जीवनयापन जोखिम पूर्ण बा ।

३. शिक्षा ओ स्वास्थ्य पहुँच न्यून

थारु समुदायके बालबालिका विद्यालयमे पहुँच कमजोर बा । कमलरी प्रथा अभिन कुछ ठाउँमे डेखा पपर्ना ओ बालबालिकाके निरन्तर पढाइमे बाधा पुगगैना समस्या कायमे बा । स्वास्थ्य सेवामेफे पहुँच सीमित बा । प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रके दूरी ओ सेवा गुणस्तर कमजोर हुके रोगके रोकथाम ओ उपचारमे समस्या बा ।

४. रोजगारी अभाव ओ वैदेशिक रोजगारमे निर्भरता

स्थानीय रोजगारीके अभावके कारण करिब ७०% मुक्तकमैया परिवार वैदेशिक रोजगारीमे निर्भर हुइल बटै । कमैया परिवार थारू समुदायके हुइल ओरसे पहिले कामे लाग विदेश जैना चलन नैरहे । यिहीसे परिवारके सामाजिक संरचना ओ आर्थिक स्थिरतामे नकारात्मक प्रभाव परटी रहल बा । विदेशमे काम करेबेर ओइने भोग्न दुर्व्यवहार ओ जोखिमफे ढेर बा ।

५. जग्गा नामसारी समस्या ओ सरकारी अनुगमन कमजोर

जग्गा हस्तान्तरण प्रक्रिया अधुरो रहल बा । नामसारीमे प्राविधिक, प्रशासनिक समस्या ओ भ्रष्टाचारके कारण बाँकी परिवारसे अपन जग्गामे पूर्ण अधिकार पाई नैसेकल हुइट । सरकारी अनुगमन ओ पुनर्वास कार्यक्रम प्रभावकारी नैरहल ओरसे नीति ओ कार्यक्रमके कार्यान्वयनमे भारी समस्या विल्गाइठ ।

नेपाल सरकार ओ सम्बद्ध निकायसे कमैया मुक्ति अभियानहे आगामी दिनमे समृद्ध ओ दिगो बनैना लक्ष्यसहित खाका तयार करेपरठ ।

प्रमुख बचत लक्ष्य

१. सक्कु मुक्तकमैया परिवारहे कृषि योग्य, जोखिम रहित ओ सहजपहुँच हुइल जमिन उपलब्ध करैना ।
२. दर्ता ओ नामसारी प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शी ओ द्रुत बनैना
३. १००% बालबालिका विद्यालयमे पहुँच
४. कमलरी प्रथा पूर्णरूपमे उन्मूलन
५. बालबालिकाके निरन्तर शिक्षामे पहुँच सुनिश्चित कैना छात्रवृत्ति, *(बाँकी ३ पेजमे)*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्चुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०

ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२१९८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०

नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२३२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२५
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०

ढमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५४७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरुण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ब्लानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२५११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

कोदो खैना चलनसे बह्हल आयात

काठमाडौं, १ सावन । मुलुकमे वार्षिक पौने अर्ब रुपियाँ बराबरके कोदो आयात हुइना करल बा । स्थानीय उत्पादनसे माग धाने नैसेक्ना भारी परिमाणमे कोदो आयात हुइना करल हो ।

भन्सार विभागके तथ्यांक अनुसार चालु आर्थिक वर्ष २०८१/८२ के ११ महिनामे ७१ करोड ८७ लाख ८४ हजार रुपियाँ बराबरके एक करोड ४३ लाख ५५ हजार १३६ केजी कोदो आयात हुइल बा । गैल आव २०८०/८१ मे ७५ करोड ४४ लाख २३ हजार रुपियाँ बराबरके एक करोड ५२ लाख ९८ हजार १८३ केजी कोदो आयात हइल रहे । छिमेकी मुलुक भारत आसे चीनसे नेपालमे कोदो आयात हुइना करल बा ।

कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालयके अनुसार आव २०८०/८१ मे दुई लाख २४ हजार ९३५ हेक्टर क्षेत्रफलमे तीन लाख ७३२ मेट्रिक टन कोदो उत्पादन हुइल बा । मन्त्रालयके वरिष्ठ तथ्यांक अधिकृत रामकृष्ण रेग्मी कोदो खैना प्रचलन बह्हलेसे फेन कोदोके

आयात बह्हल जानकारी डेलैं । पाछेक समय कोदोके बह्हके स्थानीय उत्पादनसे माग धाने नैसेक्ना आयात हुइना करल उहाँक कहाइ बा ।

पाछेक समय कोदोसे बिस्कुट, ढिँडो, ममलगायतके परिकार बनैना करजाइठ । खपत बह्लपाछे डिपार्टमेन्टल स्टोरसे अन्य पसलमे समेत कोदोके परिकार ढरजाइठ । होटेल रेस्टुरेन्टमे कोदोके परिकार बनाके बिक्रीके लाग ढरजाइठ । तराईमे कम ओ पहाडी तथा मध्यपहाडी जिल्लामे ढेर कोदो उत्पादन हुइठ । देशके कुल खाद्य उत्पादनके ७.७ प्रतिशत कोदो बाली ओगट्ठ । ९५ प्रतिशत कोदो पहाडमे उत्पादन हुइठ । समुद्र सतहसे ३१ सय मिटरसमके उच्च पहाडी क्षेत्रमे कोदो लगाजाइठ ।

मन्त्रालयके अनुसार सुदूरपश्चिममे १४ हजार ५२२ हेक्टर क्षेत्रफलमे १८ हजार मेट्रिक टन ओ कर्णाली प्रदेशमे १४ हजार ३६ हेक्टर क्षेत्रफलमे १९ हजार ५२३ मेट्रिक टन कोदो उत्पादन हुइल बा ।

अस्टेक, लुम्बिनी प्रदेशमे नौ हजार २८७ हेक्टर क्षेत्रफलमे १२ हजार मेट्रिक टन, गण्डकी प्रदेशमे ६६ हजार १३७ हेक्टर क्षेत्रफलमे ८१ हजार ५८४ मेट्रिक टन, बागमती प्रदेशमे ६० हजार ९३५ हेक्टर क्षेत्रफलमे ७३ हजार मेट्रिक टन कोदो उत्पादन हुइल बा । मधेश प्रदेशमे दुई हजार २६१ हेक्टर क्षेत्रफलमे नौ हजार १०३ मेट्रिक टन ओ कोशी प्रदेशमे ५७ हजार ३५७ हेक्टर क्षेत्रफलमे ८७ हजार ३४३ मेट्रिक टन कोदो उत्पादन हुइल मन्त्रालयके तथ्यांक बा ।

कोदो स्वास्थ्यके लाग अत्यन्त फाइदाजनक मानजाइठ । कोदोमे क्यालियम, म्याग्नेसियम, फस्फोरस, म्यागनिज, भिटामिनबी, टिप्टोफेन, फाइबर, एन्टिअक्सिडेन्टलगायतके पोषक तत्व पाजाइठ । पोटासियम ओ म्याग्नेसियमसे रक्तचाप नियन्त्रण ढरना सघैना बटाइल बा । कोदामे प्रशस्त मात्रामे हुइल क्यालियमसे हाड बलगर बनैना सहयोग पुगाइठ ।

राष्ट्रिय कोदो दिवस मनैना

सरकार पहिलचो आगामी सावन १६ गते राष्ट्रिय कोदो दिवस मनाइ लागल बा । हाले बैठल मन्त्रीपरिषद्के बैठकसे सावन १६ कोदो दिवस मनैना निर्णय करल कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय जनैले बा ।

यीआघे कृषि अभियन्तासे सावन १५ गतेहे अन्तर्राष्ट्रिय कोदो दिवस मनैटि आइल रहे । २०७७ सालसे अइसिन दिवस मनाइ लागल हो । खाद्यके लाग कृषि अभियानके संयोजक उद्धव अधिकारीसे कोदो खेतीके संरक्षण ओ प्रवर्धन करना दिवस मनाइ लागल जानकारी डेलैं । सरकारी तवरसे निर्णय कैके राष्ट्रिय कोदो दिवस मनैलेसे खेती करना किसानहे थप प्रोत्साहन मिल्ना उहाँक कहाइ बा ।

२३७५ जानेक...

परिचयपत्रके ब्यवस्था करेपर्ना माग करल बा ।

ओस्टेक करके नेपाल सरकारसे गठन हुइना टमान आयोग, समिति तथा राज्यके हरेक संरचनामे मुक्त कमैया, कमलहरीहुकनके अर्थपुर्ण सहभागिता कराई पर्ना ।

नेपाल सरकारसे निर्माण करल पुनःस्थापनाके प्याकेज कार्यान्वयन करेबेर मुक्त कमैयाहुकनके सहभागिता ओ स्वामित्व हुइना करके परिमार्जन ओ कार्यान्वयन करेपर्ना ।

हरेक मुक्त कमैया तथा कमलरीके लाग एक घर एक रोजगारीके व्यवस्था करेपर्ना । मुक्त कमैयाके छावाछाई ओ कमलहरीहुकनहे उच्च शिक्षा (स्नातकोत्तर) सम ओ प्राविधिक शिक्षा निःशुल्क करके योग्यता अनुसार रोजगारीके व्यवस्था करेपर्ना माग करल बा । मुक्त कम्लहरीके लाग निर्माण करल छात्राबास समय अनुकुल परिमार्जन करके मुक्त कमलहरीके लाग सीपमुलक तालिम ओ आर्थिक सहयोगके व्यवस्था करेपर्ना, नेपाल सरकारसे मुक्त घोषणा करल मुक्त कमैयाके बालबालिका, कमलहरीहुकनके लाग निशुल्क शिक्षाके ब्यवस्था करेपर्ना माग करल बा ।

दासप्रथाके अवशेषमे रूपमे रहल हलिया, कमैया, कमलहरी प्रथाके विरुद्ध ओइने करल तत् समयके न्यायपूर्ण आन्दोलन पश्चात २०५७ श्रावण २ गते कमैया मुक्तिके घोषणा, २०६५ साल भाद्र २१ गते हलिया मुक्तिके घोषणा, २०७० श्रावण ३ गते कमलहरीके मुक्तिके घोषणा, २०७९ श्रावण २ गते हरूवाचरूवा मुक्तिके घोषणा हुइल रहे ।

राजदेव चौधरीके नेतृत्वमे १९ जाने कमैयाहे लेके कमैया मुक्त हुई पर्ना कहिके आन्दोलन गेटासे सुरू हुइल रहे ।

तत्कालीन गाविस अध्यक्ष सन्तबहादुर कार्की अपन वडामे कमैया मुक्त हुइल घोषणा करल पश्चात जिल्ला प्रशासनके प्रङ्गनमे धर्ना सुरू हुके तत्कालीन प्रधानमन्त्री शेरबहादुर देउवासे २०५७ सावन २ गते कमैया मुक्त हुइल घोषणा करल रहिट ।

२०५८ सालमे कमैया निशेध ऐन जारी हुके २०५९ ओ २०६० सालमे कमैयाके लगत लेहल रहे ।

गर्मी महिना सुरु हुइलसंगे
आगलागीके घटना बढ्ने सेकठ ।
जथाभावी आगी नसुँगाई ।
लुक्री लग्नासे बची ।

कमैयामुक्ति: विगतके संघर्ष...

पोषण ओ स्वास्थ्य कार्यक्रम

६. ८०% रोजगारीदर (कृषि बाहेक), स्वरोजगार, छोट उद्योग, सेवा क्षेत्रमे रोजगार सृजना तथा युवाहे प्राविधिक, व्यवसायिक तालिम मार्फत सक्षम बनैना

७. महिला नेतृत्व ५०%

८. महिला सहकारी, सामाजिक संस्था ओ स्थानीय शासनमे नेतृत्वदायी भूमिकामे समावेशीकरण

९. लैङ्गिक समानता सुनिश्चित कैना विशेषनीओर कार्यक्रम

१०. १००% स्वास्थ्य बीमा कवरेज सबै परिवारहे स्वास्थ्य बीमा अन्तर्गत पुगैना

११. प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषणमे केन्द्रित कार्यक्रम

ठप प्रगतिशील लक्ष्य:

१. सामाजिक सुरक्षा प्रणालीमे पूर्ण समावेशीकरण

२. वृद्धावस्था, अपांगता ओ विपन्नताके लाग सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित ।

३. दैनिक जीवनमे आर्थिक सुरक्षाके लाग न्यूनतम आय ग्यारेन्टी ।

४. सामुदायिक नेतृत्व ओ नीति निर्माणमे सहभागिता ७०%

५. मुक्तकमैया ओ थारुसमुदायके सदस्यहे स्थानीयतहसे संघीय सरकारसम नीति निर्माणमे सक्रिय सहभागी बनैना ।

६. पर्यावरणीय दिगोपना ओ जोखिम न्यूनीकरण

७. बाँटल जमिनमे वातावरणीय संरक्षण, बाँध ओ सिँचाइके विकास । ८

प्रकोप व्यवस्थापन ओ आपतकालीन तयारी प्रणाली विकास ।

९. डिजिटल पहुँच ओ सूचना प्रविधि समावेशीकरण

१०. मुक्तकमैयाके परिवारहे डिजिटल शिक्षा, बजार ओ सरकारी सेवा पहुँचमे सक्षम बनैना ।

११. सूचना प्रविधिके प्रयोगसे सामाजिक तथा आर्थिक विकासहे तीव्रता डेना ।

निष्कर्ष:घोषणा नाही, जीवनमे कार्यान्वयन

कमैया मुक्ति केवल कानूनी घोषणा केल्ह नाही यी सामाजिक न्याय ओ मानव गरिमाके संघर्ष हो । कानुनी रूपमे दासत्व अन्त्य करलेसेफे वास्तविक स्वतन्त्रता तबकेल सम्भव हुइट जब मुक्तकमैया भूमि, रोजगारी, शिक्षाओ स्वास्थ्य जैसिन आधारभूत अधिकारके सुनिश्चितता हुइट ।

२५वर्षपाछेफे हजारौ परिवार भूमिहीन, रोजगारी विहीन ओ अवसर विहीन अवस्थामे बटै कना हम्रे बुझे परठ –घोषणासे इतिहास लिखठ, मने कार्यान्वयनसे जीवन बडल्ठ ।

आब समय आइल बा:

- भूमिहीनताहे पूर्ण अन्त्य कैना
- रोजगारी ओ सीपयुक्त अर्थतन्त्र निर्माण कैना
- शिक्षामे शतप्रतिशत पहुँच ओ लैङ्गिक समानता सुनिश्चित कैना

रूस्वास्थ्यसुरक्षा ओ सामाजिक सुरक्षा सक्कुहे उपलब्ध करैना

कमैया मुक्ति केवल एक अतितके अभियान नैहो, यी भविष्यके दिगो विकास ओ समतामूलक समाजके लाग अनिवार्य शर्त हो । यिहीहे घोषणासे व्यवहारमे ल्यन्ना हमार साझा जिम्मेवारी हो– सरकार, समुदाय, नागरिक समाज ओ अन्तर्राष्ट्रिय साझेदार सक्कु ।

अभियानहे आन्दोलनमे रूपान्तरण करी–अइसिन इतिहास बनाई जिहीसे दुसर पुस्ताहे गर्व डेहुवाई ।

अन्तर्राष्ट्रिय

अलास्कामे ७.३ म्याग्निच्युडके भूकम्प

काठमाडौं, १ सावन । बुधके रोज अमेरिकी राज्य अलास्काके तटमे ७.३ म्याग्निच्युडके भूकम्प गैल बा । भूकम्पसे सुनामी चेतावनी जारी समेत करले रहे । मने पाछे फिर्ता लेहल अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (युएसजिएस) जनैले बा ।

भूकम्प स्थानीय समय दिनके करिब १२:३७ बजे (२०:३७ जिएमटी) गैल रहे । यकर केन्द्रविन्दु स्यान्ड पोइन्ट टापुके सहरसे करिब ५४ माइल (८७ किलोमिटर) दक्षिणमे अवस्थित रहे । भूकम्पके केन्द्रविन्दु १२.५ माइलके गहिराइमे रहल रहे ।

अधिकारीहुक्के भूकम्पपाछे सुरुमे दक्षिण अलास्का ओ अलास्का प्रायद्वीपके लाग सुनामी चेतावनी जारी करल रहे । "दक्षिण अलास्का ओ अलास्का प्रायद्वीपके तटीय क्षेत्रके लाग सुनामी सल्लाह रद्द करल बा," भूकम्पके करिब दुई घण्टापाछे जारी करल सन्देशमे राष्ट्रिय सुनामी चेतावनी केन्द्र (एनटिडब्लुसी) जनैले बा ।

युएसजिएसके अनुसार प्रारम्भिक भूकम्पपाछे एक दर्जनसे ढेर पराकम्पनके समूह आइल रहे । उमध्ये सबसे भारी ५.२ म्याग्निच्युड मापन करल रहे ।

सुनामी चेतावनी ओ सल्लाह अलास्काके तटके क्षेत्रके लाग किल जारी करल ओ थप क्षेत्र अप्रभावित रहल एनटिडब्लुसी जनैले बा । स्यान्ड पोइन्टमे अधिकतम शून्य दशमलमव दुई फिट (६.१ सेन्टिमिटर) उचाइके सुनामी अवलोकन करल रहे ।

"स्थानीय आपत्कालीन अधिकारीसे सुरक्षित हुइल संकेत नैकरटसम खतरा क्षेत्रमे पुनः बसोवास नाकरि," एनटिडब्लुसी उल्लेख करल बा ।

अलास्का भूकम्पीय रूपमे सक्रिय प्रशान्त रिङ अफ फायरके साथमे अवस्थित बा । सन् १९६४ मार्चमे ९।२ म्याग्निच्युडके भूकम्प गैल रहे । यी उत्तर अमेरिकामे रेकर्ड करल अभिनसमके सबसे शक्तिशाली रहे ।

उ भूकम्पसे सुनामी निम्त्याइल रहे ओ एन्कोरेज सहरहे ध्वस्त परले रहे कलेसे अलास्काके खाडी, अमेरिकाके पश्चिमी तट ओ हवाईमे प्रहार करले रहे । भूकम्प ओ सुनामीसे टमानके मृत्यु हुइल रहे कलेसे ४० करोड डलरसे ढेरके सम्पत्ति नोक्सान हुइल रहे । सन् २०२३ जुलाईमे अलास्का प्रायद्वीपमे ७.२ म्याग्निच्युडके भूकम्प गैल रहे ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

घट्ना क्रममे एचआइभी संक्रमण

कञ्चनपुर, १ सावन । कञ्चनपुरमे एचआइभी संक्रमण दर घट्ना क्रममे रहल बा । चेतनाके विकास ओ सरकारसे करल लगानीके कारण कञ्चनपुरमे सङ्क्रमणदर घट्ना क्रममे रहल जनाइल बा । विगतमे एचआइभी संक्रमित बह्रलेसे फेन कुछ बरस यहोर भर कञ्चनपुरमे एचआइभी सङ्क्रमण दर घट्ना क्रममे रहल एचआइभी संक्रमितके पक्षमे काम कैटी आइल संघ संस्थासे जनाइल बा ।

स्वास्थ्य कार्यालय कञ्चनपुरके अनुसार चालु आर्थिक बरसके वैशाख मसान्तसम कञ्चनुरमे ४५६ जाने एचआइभीके नियमित औषधि सेवन करटी रहल बटै । जौन मध्ये २२९ महिला, १८६ पुरुष, आठ जाने यौनिक अल्पसंख्यक, १५ बरस टरेक १२ बालिका ओ आठ बालक रहल बटै ।

गत आव २०८०/८१ सम २३६ महिला, १९१ पुरुष, नौ यौनिक अल्पसंख्यक, १५ बरस टरक १४ बालिका ओ आठ बालकमे संक्रमण डेख परल रहे । उ आवमे २४ महिला ओ २८ पुरुष सहित ५२ लावा संक्रमित फेला परल रहिट । आव २०८१/८२ मे थप २६ जनहनमे एचआइभीके सङ्क्रमण पुष्टि हुइल स्वास्थ्य कार्यालय कञ्चनपुरके तथ्यांकसे डेखाइल बा । चालु आवके वैशाख महिनासम छ महिला, १६ पुरुष, तीन यौनिक अल्पसंख्यक एक बालकमे एचआइभी रोगके सङ्क्रमण डेख परल बा ।

पाछेक समय जिल्लामे एचआइभी संक्रमणदर घट्टी गैल स्वास्थ्यकर्मी बटैठै । संक्रमण दर घट्टी गैलेसे फेन कञ्चनपुरमे एचआइभी परीक्षण दर भर बह्रल एचआइभीसम्बन्धी काम कैना संस्था नभासाके सम्पर्क व्यक्ति भीष्मदेव भट्ट बटैलै । उहाँके अनुसार विगतमे समाजके अवहेलना, भेदभावके डरसे एचआइभी परीक्षण कैना डरैना, संक्रमितहुके औषधि सेवन कैना डरैना, खुलके बात करे नैसेक्ना अवस्था रहलेसे फेन अब्बे भर सुधार आइल बा ।

एचआइभी संक्रमणसे गत आवमे दुई महिला ओ आठ पुरुष सहित १० जाने ज्यान गुमैले बटै । हाल महाकाली प्रादेशिक अस्पताल ओ दोधारा चाँदनी अस्पतालमे एआरटी सेन्टरमार्फत निःशुल्क एचआइभी परीक्षण हुइटी रहल बा । हाल कञ्चनपुरमे ७० बरस टरके १५ जाने नियमित रूपमे औषधी सेवन करटी रहल बटै ।

स्थानीय सरकारके बेवास्ता

जिल्लामे अब्बे एचआइभी संक्रमित खतरामुक्त रहल स्वास्थ्यकर्मी बटैठै । उहाँहुक्के समय समयमे औषधी सेवन कैटी आइल ओ लावा संक्रमित फेन निर्भयके साथ औषधी सेवन करटी रहल ओरसे उहाँहुक्के खतरामुक्त रहल एचआइभी रोग सम्पर्क व्यक्ति रावल बटैलै ।

उहाँहुक्कनहे रोजगारी ओ थप हौसलाके लाग स्थानीय सरकारसे भर बेवास्ता करल एचआइभी संक्रमित गुनासो कैटी आइल बटै । एचआइभी संक्रमितहे रोजगारीके अवसर, आयस्तर सुधार ओ दैनिक गुजारा करक लाग स्थानीय सरकारसे छुट्टै बजेट छुट्याइ पर्ना नभासा कञ्चनपुरके कोअर्डिनेटर भट्ट माग करलै ।

एचआइभी संक्रमितके लाग स्थानीय सरकारसे बजेट छुट्याडेहे पर्ना उहाँके माग रहल बा । स्थानीय सरकार आइलपाछे हालसम फेन एचआइभी संक्रमितके लाग कौनो मेरके बजेट नैछुट्याइल उहाँ दाबी करलै ।

तीन फरार प्रतिबादी पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ सावन । फैसला कार्यान्वयनके सिलसिलामे जिल्ला अदालत कैलालीके टमान मितिके फैसलासे कैद सजाय तथा जरिवाना ठहर हुके फरार तीन प्रतिवादी पक्राउ परल बटै । जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली मातहत कार्यालयसे खटल प्रहरी टोली सवारी ज्यान कसुर मुद्दामे २० दिन कैद सजाय ओ रु.४,०००।- जरिवाना तोकल जिल्ला कैलाली, लम्कीचुहा न.पा.३ चिसापानी बैठना वर्ष २७ के विजय आचार्यहे पक्राउ करल बा । सवारी ज्यान कसुर मुद्दामे १५ दिन कैद सजाय तोकल जिल्ला कैलाली, लम्कीचुहा न.पा.३ चिसापानी बैठना वर्ष २८ के नमराज चापागाई, लागूऔषध (खैरो हेरोईन) मुद्दामे २ महिना २६ दिन कैद सजाय ओ रु.५० हजार जरिवाना तोकल लम्कीचुहा न.पा.३ चिसापानी बैठना वर्ष ३१ के दिपा कुमारी बिष्ट (साउँद)हे पक्राउ करल हो ।

छाउगोठ हटैना...

कना बुझैना समय लग्ना हुइल ओरसे कानुनी रुपमे प्रवन्ध कैके छाउपडी गोठमे बैठुइया ओ बैठे लगुइयाहे कारबाही हुइना व्यवस्था कैके बाध्यकारी बनैलेसे लिक गोठमे बैठ्ना समस्या हट्ना बटैलै । नगरपालिकासे अब्बे १५ दिनके समय डेके अपनहे छाउगोठ भट्कैना कहल ओ उ अवधिमे नैभट्कुइयाहे प्रहरी परिचालन कैके हुइलेसे फेन भट्कैना नगर प्रमुख ओझा जानकारी बटैलै ।

मानव अधिकारकर्मी सविता जोशी कहली, "छाउपडी केवल संरचना भट्कैनाके किल नैहो, यी चेतनाके लडाइँ हो । महिला महिनावारी हुइल बेला अशुद्ध हुइना कना गहिर सामाजिक धारणाहे टुरक लाग समुदायमे परिवर्तन लाने पर्ना जरुरी रहल बा ।"

सामाजिक विकास समितिके सभापति धर्मराज पाठक अइसीन कुरिती अन्त्य कैना नीति निर्माण कैके स्थायी समाधानके खोज्ना प्रयास कैना बटैलै ।

"हम्रे सुझावके आधारमे नीति बनाब, बजेट विनियोजन कैके स्थायी चेतना कार्यक्रम चलाब," उहाँ कहलै, 'आवश्यक परलेसे यी विषयमे मुख्यमन्त्रीसे फेन छलफल चलाब ।'

स्थलगत अनुगमनमे सामाजिक विकास समितिके सदस्य शिवराज भट्ट, जानकी कुँवर, प्रदेश सभाके महिला समन्वय समितिके संयोजक सन्तोष शर्मा थापा, सदस्य लक्ष्मी विक, इन्दिरा गिरी, गीतादेवी माल, मधु भारती ओ गीता चौधरी सहभागी रहिट । उहे अनुगमन संसदीय मामिला पत्रकार समाज सुदूरपश्चिम ओ यूएनडिपीके संसद सहयोग परियोजनाके समेत सहकार्यमे हुइल रहे ।

दार्चुलामे तुइनसे गिरके २३ जानेक ज्यान गैल

दार्चुला, १ सावन । दार्चुलामे तुइनसे गिरके महाकाली लडियामे बेपत्ता हुउइयाके संख्या ३२ बरसके अवधिमे २३ पुगल बा । उ मध्ये मंगरके फेन तुइनसे लडिया नाघेबर गिरके एक जाने बेपत्ता हुइल बटै । तुइनमार्फत भारतीय बजार जैना क्रममे मंगरके व्यास गाउँपालिका-२, तल्लो दुम्लिङके २८ वर्षीय नारायण बुढाथोकी बेपत्ता हुइल हुइट ।

दार्चुलाके उत्तरी क्षेत्रमे पर्ना भारत ओ चीनसँग सीमा जोरल व्यास गाउँपालिका-२, दुम्लिङगाउँ ओ कुछ बाहिरी जिल्लाके नागरिक सहित हालसम २३ जाने तुइन नाघेबर महाकाली लडियामे गिरल वडाध्यक्ष धीरनसिंह बुढाथोकी जानकारी डेलै । वडा कार्यालयसे उपलब्ध कराइल तथ्यांक अनुसार २०५० से २०८२ असार ३१ गतेसम ३२ बरसके अवधिमे दुम्लिङगाउँके २० जाने ओ अन्य स्थानके तुइन नाघेबर महाकाली लडियामे गिरके बेपत्ता हुइल हुइट । जिल्ला प्रहरी कार्यालय दार्चुलाके सूचना अधिकारी एवं प्रहरी निरीक्षक छत्रबहादुर रावतके अनुसार किनमेलके लाग भारतीय बजार जैना क्रममे तुइनके डोरी टुटके मंगरके महाकाली लडियामे गिरके तल्लो दुम्लिङके २८ वर्षीय नारायण बुढाथोकी बेपत्ता हुइल हुइट ।

अब्बे फेन व्यास गाउँपालिका-२, दुम्लिंग ओ वडा नम्बर ५ के नाजी क्षेत्रमे अवैध रूपमे महाकाली लडियामे तुइन लगाके स्थानीय वारपार कैना करल पाइल बा । दुम्लिङमे १०५ परिवारके बसोबास रहल बा । उ क्षेत्रमे पुल नैरहल कारण अवैध रूपमे तुइन लगैना स्थानीय बाध्य बटै । स्थानीय दुम्लिङमे नेपाल-भारत जोर्ना झोलुंगे पुल निर्माण कैडेना सरकारसँग माग कैटी आइल बटै ।

वडा नम्बर २ के मालगाउँमे नेपाल-भारत जोर्ना झोलुंगे पुल हुइलेसे फेन दुम्लिङसे झोलुंगे पुलसम पुग्ना तीन घण्टाके पैदल दुरी नेंगे पर्ना बाध्यता रहल स्थानीय प्रभात बुढाथोकी बटैलै । नेपाली सेनासे निर्माण करटी रहल दार्चुला-टिंकर सडक मालगाउँमे किल पुगल बा, मालगाउँसे तीन घण्टाके पैदल दुरीमे दुम्लिङगाउँ परठ् ।

नेपाल सरकारके तुइन विस्थापन योजना अनुसार दार्चुलाके लेकम गाउँपालिका-३, लाली, मालिकार्जुन गाउँपालिका-६, उकु, व्यास गाउँपालिका-२, मालगाउँ, वडा नम्बर ४ के मलघट्टे ओ वडा नम्बर ६ के बडुगाउँमे नेपाल-भारत जोर्ना लावा झोलुंगे पुल निर्माण हुइल बावे । सरकारसे तुइन विस्थापन कैना नीति लेहल रलेसे फेन दार्चुलामे भर गैरकानुनी रूपमे तुइन सञ्चालन हुइटी रहल बावै । गैरकानुनी रूपमे सञ्चालमे रहल तुइनसे बर्सेनि नागरिक ज्यान गुमाइ परल बा । दार्चुलाके प्रमुख जिल्ला अधिकारी अनिल पौडेल अन्तर्राष्ट्रिय सीमा लडियामे अवैध रूपमे तुइन लगैना कार्य दुई देशबिचके सुरक्षा संवेदनशीलता ओ मनैनके ज्यानसँग जोरल विषय रहल कारण तुइन नैलगैना आग्रह करलै ।

श्री भुर्काभुर्की सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह

घोडाघोडी न.पा. १०. कैलाली

काठ/दाउरा लिलाम विक्रीवितरण सम्बन्धी २१ दिने सूचना

प्रकाशित मितिः २०८२/०४/०२ गते

यस कार्यालयको च.नं. १८८१ मिति २०८१/१२/२२ गतेको काठ/दाउरा संकलन सहमति अनुसार त्यस सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहको वन क्षेत्रबाट काठ/दाउरा संकलन भई आन्तरिक खपतको लागि समूहका उपभोक्ताहरूलाई काठ/दाउरा विक्रीवितरण सम्बन्धी सूचना प्रकाशन गरी विक्रीवितरण गरे पश्चात घाटगद्दीमा मौज्दात रहेको काठबाट जिल्ला वन पैदावार आपूर्ति समितिलाई छुट्याई सो पश्चात घाटगद्दीमा मौज्दात रहेको काठ/दाउरा लिलाम प्रकृयाद्वारा विक्रीवितरण गर्नका लागि सहमती उपलब्ध गराई दिनु हुन भनी सव डिभिजन वन कार्यालय सुखडको च.नं. ६४७ मिति २०८२/३/३१ को पत्र साथ कागजात पेश हुन आएका हुंदा वन ऐन २०७६, वन नियमावली २०८१ (दोश्रो शंसोधन) तहाँ समूहको वन व्यवस्थापन कार्ययोजना तथा सामुदायिक वनको काठ/दाउरा संकलन तथा विक्रीवितरण निर्देशिका २०७१ सुदूरपश्चिम प्रदेश सामुदायिक वनको काठ/दाउरा संकलन तथा विक्रीवितरण निर्देशिका २०७९ बमोजिम तपसिल अनुसारको काठ/दाउरा निम्न बमोजिमको प्रकृया पूरा गरी लिलाम विक्री गर्न यो सहमती दिएको छ । सहमती दिइएको वाहेकका वन पैदावार विक्री गरेमा वा कुनै किसिमको अनियमित भए गरेमा सोको जिम्मेवार स्वयः समूह हुने र कानुन बमोजिम कारवाही हुने व्यहोरा समेत सुचित गरिन्छ । साथै काठ/दाउरा संकलन गरेको स्थानमा यथाशिघ्र घेरवार वृक्षारोपण गर्न वा पुनरुत्थानको व्यवस्था मिलाउन हुन समेत जानकारी गरिन्छ ।

तपसिल

सि.न.	जात/ग्रेड	ग्रेड/परिमाण								जम्मा		कैफियत
		ए		बि		सि		डि				
		थान	परिमाण	थान	परिमाण	थान	परिमाण	थान	परिमाण	गो.स.	क्यु.फि.	
१	अस्ना	१८	३१७.४९	१५	१५०.०२	४	३०.६४	०	०	३७	४९८.१५	साल दाउरा ३ चट्टा मिश्रीत दाउरा १
२	साल	८	११६.१६	२५	२२२.९७	६८	४०७.७४	०	०	१०१	७४६.८७	
	जम्मा	२६	४३३.६५	४०	३७२.९९	७२	४३८.३८	०	०	१३८	१२४५.०२	

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

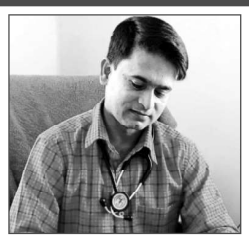

डा. संजयकुमार गुप्ता

एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)

इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ

एन.एम.सी. नं.-१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

Empowering Futures through Technical Excellence !

CTEVT

Admission Open!

30 Seats Only

Certificate in Medical Lab Technology

Three-Year Diploma Program

Entry Requirement

- Min. 2.0 GPA in SEE or equivalent with grades in compulsory mathematics, science, and English. Or
- TSLC in Medical Laboratory Technology with 68.33%

Career Opportunities

- Hospitals and clinics
- Diagnostic and research laboratories
- Blood banks
- Pharmaceutical and biotech industries
- Self-employment in medical labs
- Government jobs

Further Studies and Career

- Bachelor in Medical Laboratory Technology (BMLT)
- Bachelor of Science in Laboratory Medicine
- Bachelor of Public Health (BPH)
- Bachelor of Pharmacy (BPharm)
- Bachelor of Nursing (BSc Nursing)
- B.Sc. in Microbiology/Biochemistry/Biotechnology

Contact Us

ATTARIYA TECHNICAL COLLEGE

GODAWARI-2, ATTARIYA, KAILALI

091-551286 | 9848412999

9742410357 | 9841672834

attariyatc@gmail.com